

सागार वि. (तत्.) आगार से युक्त, घरवाला पुं. गृहस्थ व्यक्ति, गृहस्थ।

सागी क्रि.वि. (देश.) दे. सागे उदा. मेरी आरति टि. मेटि गुसाँई आई मिलौ मोंहि सांगी री-मीरा।

सागू पुं. (देश.) ताड़ की जाति का एक प्रकार का पेड़ जिसके तने से आटे की तरह का गूदा निकलता है।

सागूदाना पुं. (देश.) सागू नामक वृक्ष के तने का गूदा जो पहले आटे के रूप में होता है और फिर कूटकर दानों के रूप में बनाकर सुखा लिया जाता है, यह पौष्टिक होता है और जल्दी पच जाता है, इसीलिए प्रायः रोगियों को पथ्य के रूप में दिया जाता है।

सागें क्रि.वि. (देश.) संग, साथ।

सागो पुं. (देश.) दे. सागू।

सागौन पुं. (देश.) एक प्रसिद्ध वृक्ष जिसकी लकड़ी बहुत सुंदर तथा मजबूत होती है और इमारत के काम आती है, शाल वृक्ष।

साग्नि वि. (तत्.) अग्नि युक्त, अग्निसहित।

साग्निक वि. (तत्.) 1. यज्ञ की अग्नि से युक्त 2. अग्नि सहित पुं. वह गृहस्थ जो सदा घर में अग्निहोत्र की अग्नि रखता हो, अग्निहोत्री।

साग्र वि. (तत्.) समस्त, कुल, पुरा, आदि से लेकर।

साग्रह वि. (तत्.) आग्रह पूर्वक।

साच/साचा वि. (तद्.) सत्य उदा. जानहिं झूठ न साच-तुलसी।

साचक्र स्त्री. (तुर्की.) मुसलमानों में विवाह की एक रस्म जिसमें विवाह से एक दिन पहले वर पक्ष वाले कन्या के लिए मेंहदी, मेवे, फल, सुगंधित द्रव्य आदि भेजते हैं।

साचरी स्त्री. (तत्.) संगीत में, एक प्रकार की रागिनी।

साचिव वि. (तत्.) 1. सचिव का 2. सचिव के कार्य, पद आदि से संबंध रखने या उनके

पारस्परिक व्यवहार के रूप में होने वाला ministerial

साचिव्य पुं. (तत्.) 1. सचिव होने की अवस्था या भाव 2. सचिव का पद 3. मदद, सहायता।

साची कुम्हड़ा पुं. (देश.) सफेद कुम्हड़ा, पेठा।

साच्छात वि. (तद्.) साक्षात्, प्रत्यक्ष उदा. साच्छात देख्यौ तुम तिनकौ -सूरदास।

साछ पुं. (देश.) साक्ष्य, गवाह।

साछी स्त्री. (देश.) गवाही।

साज पुं. (तद्.) 1. पूर्व भाद्रपद नक्षत्र 2. सजावट की सामग्री 3. सजधज उदा. दीठि थमी अनुराग-छकी मति लाज के साज-समाज विसारे-घनानद 4. वाहनों आदि को सजाने का समान 5. आपसी मेल-जोल।

साज़ पुं. (फा.) वाद्य, बाजा।

साजन पुं. (तद्.) 1. पति, भर्ता, स्वामी 2. प्रेमी 3. ईश्वर 4. भला आदमी, सज्जन 5. संगीत में खम्माच ठाठ का एक राग।

साजना¹ पुं. (तद्.) पति या प्रेमी उदा. मिलहिं जो बिछुरै साजना-जायसी।

साजना² स.क्रि. (देश.) 1. सजाना 2. सजाकर या अच्छे ढंग से किसी कार्य के लिए तैयार करना।

साज़-बाज पुं. (तद्.) 1. आवश्यक सामग्री 2. सजावट।

साज़-बाज़ पुं. (फा.) 1. आपसी मेल-जोल, घनिष्ठता 2. वाद्य-यंत्र, बाजा।

साजर पुं. (देश.) गुलू नामक वृक्ष जिससे कतीरा गोंद निकलता है।

साज़-संगीत पुं. (फा.+तत्.) साज या बाजों पर होने वाला संगीत, वाद्य संगीत।

साज-सामान पुं. [तद्+फा.] 1. आवश्यक सामग्री, सामान 2. सजावट की सामग्री 3. प्रतिष्ठा, वैभव के अनुरूप सामग्री, ठाठ-बाट का सामान।

साजा पुं. (तद्.) सज्जा, सजावट, सजधज देश. 1. सजा हुआ 2. अच्छा, बढ़िया 3. शोभित, सुंदर।